बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)

संपादक
आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा
(जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे
सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही
विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास
सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले

दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले
22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,
अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :
इन-हाउस (सैल्फ)
नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.) (*iii*)

संदेश धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार) (*v*)

संपादक की कलम से (*vii*)

1. **Birsa : Making of The Dharti Aba** 1
   Sanjay Kumar Sinha
2. **Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis** 10
   Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das
3. **The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin** 14
   Vipin Tirkey
4. **Birsa Munda and his Political Vision** 18
   Sudarshan Singh
5. **The Legend of The Ulgulan** 24
   Payal Singh
6. **Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda** 33
   Sirista Julita Meenz, Balram Oraon
7. **जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा** 37
   प्रवीन कुमार मिश्रा
8. **बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता** 44
   रितेश्वर नाथ तिवारी
9. **आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन** 52
   शशिकांत पाण्डेय
10. **समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता** 61
    प्रमोद कुमार, संजय यादव

11. **भारतीय प्रतिरोध का जननायक : अमर शहीद बिरसा मुण्डा** 70
अतुल कुमार मिश्र, सीमा पाण्डेय

12. **आदिवासियों के जननायक बिरसा मुंडा तथा उनका धर्म** 78
अनिल कुमार ठाकुर

13. **''बिरसाइत'' धर्म के जीवन संस्कार संबंधित प्रथाएँ: एक मानवैसानिक अध्ययन** 86
शीला पुरती, अबु हुरैरा अंसारी

14. **बिरसा मुंडा एवं राष्ट्रवाद** 90
प्यारेलाल आदिले, मनहरण अनन्त

15. **बिरसा मुण्डा का धार्मिक चिंतन और बिरसा धर्म** 96
घनश्याम दुबे, गुलजार सिंह ठाकुर

16. **समकालीन भारत में बिरसा मुण्डा और उनके जीवन दर्शन की प्रासंगिकता** 101
बिजय प्रकाश शर्मा

17. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 109
आशीष कुमार सिंह

18. **मुंडा जनजाति में स्वजगारण का द्योतक उलगुलान का स्वरूप** 115
अभिषेक कुमार तिवारी, घनश्याम दुबे

19. **जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा** 122
सीमा पाण्डेय, गोविंद सिंह ठाकुर

20. **बिरसा मुंडा : सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत** 127
घनश्याम दुबे, सचिन कुमार

21. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 136
आचार्य प्रदीप शुक्ला, अमर नारायण

22. **बिरसा मुंडाः दीकु, संघर्ष तथा स्वर्ण युग की संकल्पना** 142
प्रदीप शुक्ला, परिवेश कुमार बर्मन

23. **आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा** 153
सीमा पाण्डेय, सुभाष कुमार

24. **भारत के प्रतिरोध का इतिहास एवं बिरसा मुंडा** 158
गणेश कोशले

20

बिरसा मुंडाः सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत

घनश्याम दुबे*, सचिन कुमार**

भारत के इतिहास के विभिन्न कालखण्डों में ऐसे-ऐसे महापुरुष, प्रवर्तक, समाज सुधारक, तथा दैवीय अवतार हुए हैं, जिन्होंने सुसुप्त अवस्था में पड़ी भारतीय चेतना को जागृत कर धर्म की स्थापना सामाजिक समरसता और विकृतियों के उन्मूलन करने के लिए समूचे मानव समाज को प्रेरित ही नहीं किया, अपितु ऐसे उच्चतम मानक स्थापित किए हैं, जो इतिहास के स्वर्ण पन्नों एवं लोकजन के भीतर रच बसकर सम्पूर्ण भारतीय समाज को उद्वेलित, आन्दोलित एवं पथप्रदर्शित करते रहेंगे। राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति, धर्म पर जब भी कोई संकट आया था या कुठाराघात किया गया तब-तब समूचा भारतीय समाज भारतीय संस्कृति के मूल्यों को संरक्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की विविधताओं के बावजूद अपनी उस भारतीय स्वत्व की आत्मा के केन्द्रीय तत्व को अपना मूल मानकर उठ खड़ा हुआ, जिससे भारतवर्ष के अजेय विराट स्वरूप का निर्माण हुआ। भारतवर्ष की श्रेष्ठ परंपराओं एवं संस्कृति की जड़ों को सिंचित करने के लिए हमारे धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक अतीत को विश्वविजयी बनाने वाले ऋषि मुनियों ने अपनी मेधाशक्ति के माध्यम से सर्वोत्कृष्टता के शिल्प में डालकर सम्पूर्ण जगत के लिए ज्ञान के चक्षुओं को खोलने का महानतम कार्य किया था। बिरसा मुण्डा भी अपने समय के उन्हीं अग्रदूतों में से एक थे, जिन्होंने भारतीय सनातन परंपरा को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए छोटा नागपुर पठार के क्षेत्र में निवास करने वाले मुंडा समाज को संगठित कर उनकी अन्तरात्मा की ज्वाला की चिंगारी से स्वातंत्र्य, धर्मरक्षा की मशाल को प्रज्ज्वलित करने का कार्य करते हुए अनेकानेक मुंडाओं के साथ अपनी आहुति दे दी थी। प्रायः यह देखा गया है कि बिरसा मुंडा का जीवन चरित्र जितना ज्यादा व्यापक एवं समाज के साथ अन्तरंगता वाला है, उस अनुरूप उनके बहुआयामी जीवन के विभिन्न पक्ष मुख्य धारा के दृष्टिकोण में नहीं आ पाए। उनके

* सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
** शोधार्थी, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)